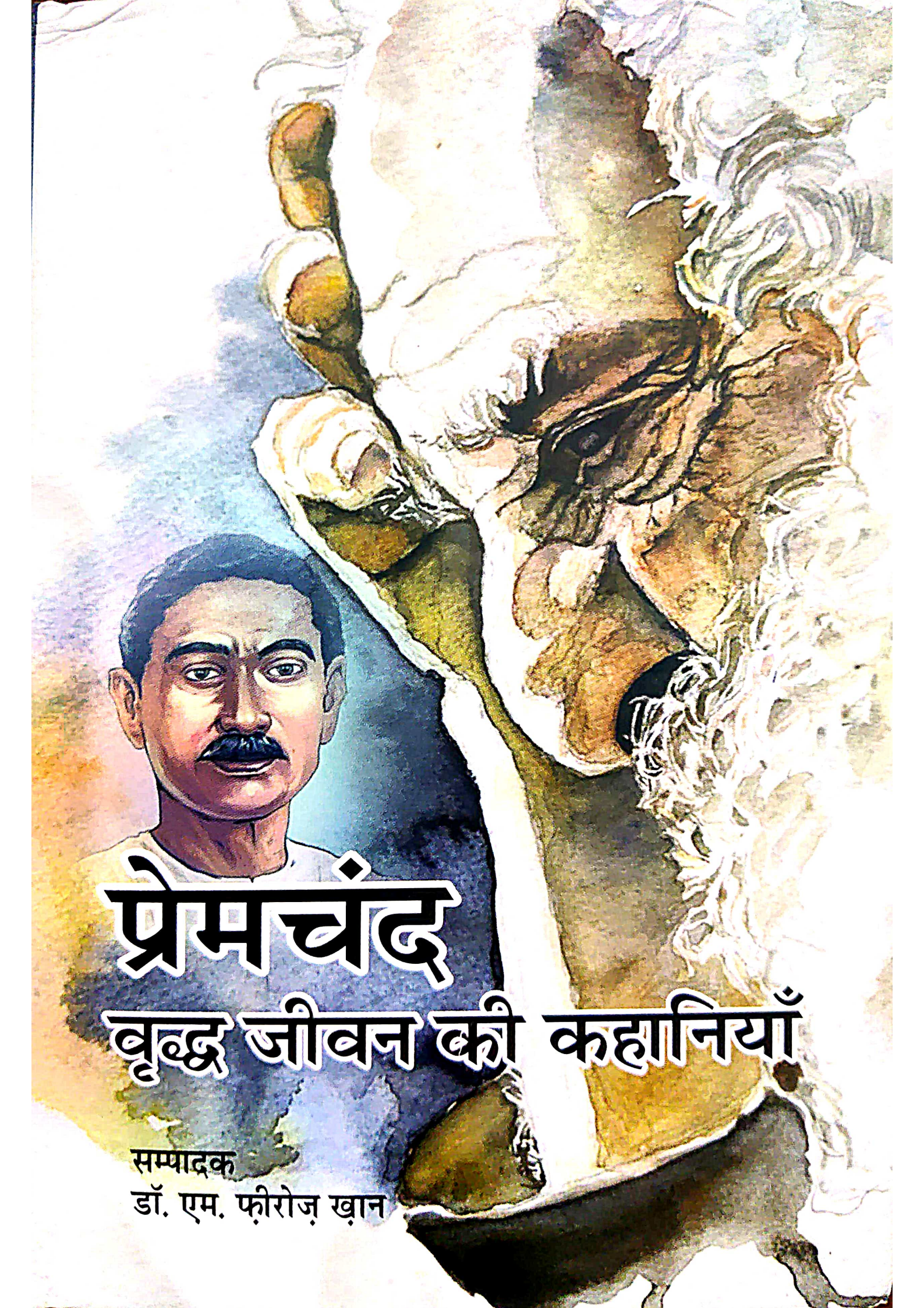




प्रेमचंद वृद्ध जीवन की कहानियाँ

सम्पादक

डॉ. एम. फ़ीरोज़ ख़ान

मूल्य : तीन सौ रुपये मात्र

पुस्तक	:	प्रेमचंद : वृद्ध जीवन की कहानियाँ
सम्पादक	:	डॉ. एम. फ़ीरोज ख़ान
प्रकाशक	:	विकास प्रकाशन 311 सी., विश्व बैंक, बर्रा, कानपुर- 208027
संस्करण	:	प्रथम, 2021 ई.
आवरण-सज्जा	:	छपाई घर, ब्रह्मनगर, कानपुर
शब्द-सज्जा	:	शुभी कम्प्यूटर, कानपुर
मुद्रक	:	छपाईघर, ब्रह्मनगर, कानपुर
मूल्य	:	300/-
ISBN	:	978-93-90688-27-2

मानवीयता और करुणा का वृत्तांत

आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

1

प्रेमचंद भारतीय ग्रामीण जीवन के अप्रतिम कथाकार हैं। उन्होंने अपने उपन्यासों और कहानियों में ग्राम-जन-जीवन के यथार्थ को व्यापक फलक पर नयी चेतना के आलोक में बहुत ईमानदारी से चित्रित किया है। समाज के खुरदुरे सच को बहुत करीब से देखा और बड़ी बेबाकी से उजाकर करते हुए उन्होंने अपने मानवीय सरोकारों को सबसे ऊपर रखता हैं। दलित, स्त्री, अल्पसंख्यक, वृद्ध और विशेषकर किसान-मजदूर के जीवन यथार्थ और संघर्ष को उन्होंने यथार्थवादी दृष्टि से बखूबी समझा है। प्रेमचंद का समाज स्वातंत्र्यपूर्व का भारतीय ग्रामीण समाज है जो हर तरफ से लाचार, पराजित और घोर संकट में है। वह जमींदार, साहूकार, उच्चवर्ग के लोगों के द्वारा शोषित और पीड़ित है। वह बेहद सहनशील और मजबूर है। उसकी विवशता, पीड़ा और संघर्ष की ढेर सारी असल कहानियाँ प्रेमचंद ने रची हैं। गाँव समाज के हाशिये पर जीने वाले लोगों के जीवन की सच्चाइयों, यथार्थ के दबाव और मर्यादा-आदर्शों की टेक लिए रहने की गवाह उनकी कहानियों में सुख-दुःख की कथा के अतिरिक्त साहस, ऊर्जा और ग्रामीणों की सहनशीलता का भी संस्पर्श है। जहाँ तक वृद्ध समाज की पारिवारिक और सामाजिक स्थिति का प्रश्न है तो वृद्धों का जीवन बेहद कष्टमय और उपेक्षणीय रहा है। उनके जीवन के प्रश्न सर्वथा खरे व भिन्न रहे हैं। प्रेमचंद ने पूरी सहानुभूति के साथ वृद्ध जीवन को देखा और उनकी समस्याओं से हमें परिचित कराया है। अपनी सारी दयनीय स्थितियों के बावजूद प्रेमचंद की कहानियों के वृद्ध स्त्री और पुरुष पात्र कहीं-न-कहीं प्रेरणा के स्रोत भी रहे हैं। उनमें प्रायः दलित और उच्चवर्गीय स्त्री और पुरुष पात्र हैं जो शोषित और पीड़ित हैं। प्रेमचंद के सम्पूर्ण कहानी साहित्य में कुल नौ कहानियाँ वृद्ध पात्रों के जीवन पर केंद्रित हैं- महातीर्थ, बूढ़ी काकी, विध्वंस, माता का हृदय, सुजान भगत, मंत्र, समर-यात्रा, देवी और बेटों वाली विधवा।

इन सभी कहानियों में घर-परिवार में रहने वाली स्त्री और पुरुष के जीवन के